दिनांक :- 03.04.2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

वर्ग :- B.A Part (I) प्रतिष्ठा इतिहास (History Honours)

मध्य पाषाण काल -

ऊपरी पुरा पाषाण काल का अंत लगभग 9000 ई० पूर्व के आस-पास हिमयुग के साथ ही हुआ। अतः इस काल में जलवायु गर्म व शुष्क हो गयी। पेड़, पौधो, जीव, जंतुओं की स्थिति में भी परिवर्तन आ गया। मध्य पाषाण काल की जानकारी सर्वप्रथम 1867 ई० में सी० एन० कर्लाईल द्वारा सिंध्न क्षेत्र में लघु पाषाण उपकरण खोजे के साथ हुई।

इस दृष्टि से मध्य पाषाणकाल, पुरापाषाण काल एवं नव पाषाण काल के मध्य संक्रमण को रेखांकित करता है। इस काल में भी मनुष्य मुख्यतः शिकारी तथा खाद्य संग्रहक ही रहा, परंतु शिकार करने की

तकनीकी में परिवर्तन आ गया। अब वह न केवल बड़े जानवर अपितु छोटे-छोटे जानवरों का भी शिकार करने लगा। अब वह मछलियाँ पकड़ने लगा तथा पक्षियों का शिकार करने लगा। पशुपालन का प्रारंभिक साक्ष्य भी इसी काल में मिलता है।

मध्य प्रदेश में आदमगढ़ और राजस्थान में बागोर पशुपालन के प्राचीनतम प्रस्तुत करते हैं। इसका समय लगभग 5000 ई० पू० हो सकता है।

इस काल का एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है—प्रस्तर तकनीकों के विकास का प्रयास। यह निश्चय ही महान तकनीकी क्रांति थी। इसी काल में सर्वप्रथम तीर-कमान का विकास हुआ। मध्य पाषाण काल के उपकरण छोटे पत्थरों से बने हुए हैं। ये सूक्ष्म उपकरण आकार में छोटे (काफी) हैं। इनकी लम्बाई 1 से० मी० के मध्य है। माइक्रोलिथ्स (Microliths) के नाम से जाने जाते हैं।

इस काल के महत्वपूर्ण उपकरण थे: ब्लेड (फलक) नुकीले कोड, त्रिकोण, नवचंद्राकार आदि। इनके अलावा इस काल में पुरापाषाणकाल के कुछ औजार जैसे तक्षणी व खुरचनी, यहाँ तक कि गंडासा भी मिलते हैं।

महत्वपूर्ण स्थल (बस्तियाँ): मध्य पाषाण स्थल - राजस्थान दक्षिणी उत्तर प्रदेश, मध्य व पूर्वी भारत में तथा दक्षिणी भारत में कृष्णा नदी से दक्षिण में पाये जाते हैं। 1970-77 के दौरान गंगा के मैदान में मध्य पाषाणकालीन संस्कृति से संबद्ध स्थल प्रकाश में आए हैं। कुछ अन्य प्रमुख स्थल हैं: पश्चिमी बंगाल में वीरभानपुर, गुजरात में लंघनाज, तमिलनाडु में टेरीसमूह, मध्यप्रदेश में आदमगढ़ तथा राजस्थान में बागोर, गंगा द्रोणी में सराय नाहरराय एवं महादहा दो महत्वपूर्ण स्थल हैं। ये भारत के सबसे पुराने मध्य पाषाणकालीन स्थल हैं। ये पहले स्थल हैं जहाँ से स्तम्भगर्त का साक्ष्य मिलता है।

Scanned with CamScanner